बेली ब्रिज

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारतीय सेना के मद्रास इंजीनियर समूह ने **विनाशकारी भूस्खलन** के बाद वाहनों और मशीनरी की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिये **केरल के वायनाड** के चूरलमाला में 190 फुट लंबे **बेली ब्रिज** का निर्माण किया।

- **बेली ब्रिज आपदा प्रभावित क्षेत्रों में लोगों, भारी मशीनरी और एम्बुलेंस के परिवहन को सक्षम बनाता है।**
- बेली ब्रिज एक प्रकार का **मॉड्यूलर ब्रिज** है जिसके घटक/पुर्जे पहले से निर्मित होते हैं और आवश्यकतानुसार उन्हें तेज़ी से जोड़ा जा सकता है। **द्वितीय विश्व युद्ध** के दौरान इसका आविष्कार करने का श्रेय एक अंग्रेज सिविल इंजीनियर **डोनाल्ड कोलमैन बेली** को जाता है।
- भारतीय सशस्त्र बलों को बेली ब्रिज का डिज़ाइन अंग्रेज़ों से विरासत में मिला था, जिसका उपयोग उन्होंने **वर्ष 1971 में पाकिस्तान के साथ युद्ध** में और **वर्ष 2021 में उत्तराखंड में आई बाढ़** के बाद विभिन्न आपदा राहत प्रयासों में किया था।

//

और पढ़ें...भारतीय सेना के लिये नई रक्षा प्रणाली